सफलता की कहानी (NFSM Pulse)

ftyk&dkMjek
o"k 2020

मै ननकी देवी, पति:-नारायण साव, ग्राम-सरदारोडीह ,पंचायत-आरागारो, प्रखण्ड-चन्दवारा , जिला-कोडरमा का निवासी हूँ | मेरा गाँव चन्दवारा प्रखण्ड मुख्यालय से पांच (05) किलोमीटर की दूरी पर हैं | मैं अपना पढाई (मैट्रिक) पूरा करने के बाद रोजगार की तलाश में लग गई |मेरे पति एक बहुत ही गरीब किसान हैं | मेरे पति के द्वारा पारंम्परिक विधि से खेती किया जाता था, जिससे की पूरे परिवार का भरण-पोषण नहीं हो पाता था |वो रवी मौसम में गेंहु की खेती ही कर पाते थे ,वो भी बीस डीसमील पर ,जवकि उसके पास दो एकड़ जमीन हैं | मेरे मन में इसी जमीन में कुछ करने की इच्छा जगी | मैं प्रखण्ड मुख्यालय गई | प्रखण्ड स्थित कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (ATIC) में आई और विभाग से कैसे लाभ प्राप्त कर खेती करने में मदद मिलेगा,इसकी जानकारी के लिए कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (ATIC) में बैठे आत्मा के प्रसार कर्मी प्रभारी प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक फरजाना परवीन और प्रभारी सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रमोद कुमार से मिली,उनके द्वारा विभाग की कई लाभकारी योजना की जानकारी प्राप्त की |रवी का मौसम था, आत्मा के प्रसार कर्मी द्वारा मुझे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना से प्रत्यक्षण के तौर पर चना की खेती करने को कहा,चना का बीज एवं IPM-INM शत-प्रतिशत अनुदान में दिया गया | मैं ने अपने एक एकड़ जमीन में चना की खेती कि,आत्मा के प्रसार कर्मी (BTM/ATM) द्वारा मुझे समय-समय पर पूर्ण तकनीकी सहयोग एवं सुझाव दिया गया , जिससे मुझे काफी फायदा हुआ | चना का फसल बहुत अच्छा हुआ | अन्य आस-पास के किसान मेरे द्वारा किए गए चना की खेती सीखने एवं देखने के लिए आयें और जानकारी प्राप्त किए | मुझे आत्मनिर्भर बनाने में कृषि विभाग एवं आत्मा के प्रयास तथा सहयोग के प्रति तहे दिल से आभार प्रकट करती हूँ |